संत ज़ेवियर सीनियर सेकेंडरी विद्यालय, दिल्ली – 54

कक्षा: 10 **अर्धवार्षिक परीक्षा** (2023- 2024) **पूर्णांक**: 80

तिथि: 20.09.2023 **हिंदी** **समय** : 03 **घंटे**

निर्देश-1. **इस प्रश्न पत्र में चार खंड हैं । खंड 'क', ' ख', 'ग' और 'घ'।**

2. **चारों खंडों में कुल** 17 **प्रश्न हैं। सभी प्रश्नों के समस्त भागों के उत्तर क्रमानुसार शब्दों में देना अनिवार्य हैं।**
3. **सुलेख एवम् वर्तनी की शुद्धि का विशेष ध्यान रखिए ।**

खंड 'क' (**व्याकरण**)

(**अपठित गद्यांश पर आधारित**)

प्र 1. **निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर के सर्वाधिक उचित विकल्प चुनकर शब्दों में उत्तर दीजिए :** (1×5=5)

अब तुम्हें क्या करना चाहिए ? इसका ठीक-ठीक उत्तर तुम्हीं को देना होगा, दूसरा कोई नहीं दे सकता। कैसा भी विश्वासपात्र मित्र हो, तुम्हारे इस काम को वह अपने ऊपर नहीं ले सकता। हम अनुभवी लोगों की बातों को आदर के साथ सुनें, बुद्धिमानों की सलाह को कृतज्ञतापूर्वक मानें, पर इस बात को निश्चित समझकर कि हमारे कामों से ही हमारी रक्षा व हमारा पतन होगा, हमें अपने विचार और निर्णय की स्वतंत्रता को दृढ़तापूर्वक बनाए रखना चाहिए। जिस पुरुष की दृष्टि सदा नीची रहती है, उसका सिर कभी ऊपर न होगा। नीची दृष्टि रखने से यद्यपि रास्ते पर रहेंगे, पर इस बात को न देखेंगे कि यह रास्ता कहाँ ले जाता है। चित्त की स्वतंत्रता का मतलब चेष्टा की कठोरता या प्रकृति की उग्रता नहीं है। अपने व्यवहार में कोमल रहो और अपने उद्देश्यों को उच्च रखो, इस प्रकार नम्र और उच्चाश्य दोनों बनो। अपने मन को कभी मरा हुआ न रखो। जो मनुष्य अपना लक्ष्य जितना ऊपर रखता है, उतना ही उसका तीर ऊपर जाता है।

संसार में ऐसे-ऐसे दृढ़ चित्त मनुष्य हुए हैं जिन्होंने मरते दम तक सत्य की टेक नहीं छोड़ी। अपनी आत्मा के विरुद्ध कोई काम नहीं किया। राजा हरिश्चंद्र के ऊपर इतनी विपत्तियाँ आई, पर उन्होंने सत्य नहीं छोड़ा। उनकी प्रतिज्ञा यही रही-

"चंद्र टरै, सूरज टरै, टरै जगत व्यवहार।
पै दृढ़ श्री हरिश्चंद्र कौ, टरें न सत्य विचार ॥"

(1) **गद्यांश में सीख दी गई है-**

(क) स्वतंत्र और कठोर बनने की **(ख) आत्मा पर भरोसा करने की**

(ग) अपने जीवन के लक्ष्यों को ऊँचा रखने की **(घ) नीची दृष्टि रखकर आगे बढ़ने की**

(2) **"जिस पुरुष की दृष्टि सदा नीची रहती है, उसका सिर कभी ऊपर न होगा।"-आशय है कि व्यक्ति**

(क) बड़े लक्ष्य रखेगा तो सफल होगा। **(ख) ऊँचे लक्ष्य न होने के कारण भटकता है।**

(ग) जीवन में ऊँचे और उत्तम लक्ष्य लेकर चलेगा। **(घ) अपना लक्ष्य ऊँचा नहीं बना सकता।**

(3) **राजा हरिश्चंद्र ने कभी ऐसा काम नहीं किया जो**

(क) आत्मानुकूल हो **(ख) आत्मा के विरुद्ध एवं असत्य हो**

(ग) दृढ़ता से किया गया हो **(घ) प्रतिज्ञा के प्रतिकूल हो**

(4) **हर व्यक्ति की रक्षा और पतन के आधार होते हैं उसके**

(क) वचन **(ख) अपने काम** **(ग) मित्र लोग** **(घ) परिवार के लोग**

(5) **ऊँचे लक्ष्य रखने के साथ ही व्यक्ति के लिए आवश्यक है कि वह**

(क) सदा सच बोले **(ख) सर्वथा अच्छी बातें करे**

(ग) विनम्र और ऊँचे विचारों वाला भी हो **(घ) सभी की बात सुनता हो**

Contd…..2.

प्र 2. निम्नलिखित अपठित पद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और किसी <u>एक</u> पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर शब्दों में लिखिए- (1×5=5)

संकटों से वीर घबराते नहीं.
आपदाएँ देख छिप जाते नहीं।
लग गए जिस काम में, पूरा किया,
काम करके व्यर्थ पछताते नहीं।
हो सरल अथवा कठिन हो रास्ता,
कर्मवीरों को न इससे वास्ता ।
बढ़ चले तो अंत तक ही बढ़ चले।
कठिनतर गिरिशृंग ऊपर चढ़ चले।

कठिन पथ को देख मुस्काते सदा,
संकटों के बीच वे गाते सदा।
है असंभव कुछ नहीं उनके लिए,
सरल-संभव कर दिखाते वे सदा।
यह असंभव, कायरों का शब्द है,
कहा था नेपोलियन ने एक दिन ।
सच बताऊँ, ज़िंदगी ही व्यर्थ है,
दर्प बिन, उत्साह बिन, औ शक्ति बिन।

(1) वीर पुरुष कब नहीं घबराते ?
(क) संकटों में (ख) छिपने में (ग) काम न करके (घ) गीत गाते

(2) कर्मवीर को किसमें वास्ता नहीं होता ?
(क) रास्ता सरल या कठिन (ख) फल मिलेगा या नहीं
(ग) मैं थक जाऊँगा (घ) मैं पहुँच नहीं पाऊँगा

(3) कर्मवीर कब मुस्कुराते हैं ?
(क) कठिन रास्ता देखकर (ख) सरल रास्ता देखकर
(ग) पहाड़ों को देखकर (घ) नदी देखकर

(4) नेपोलियन ने एक दिन क्या कहा था ?
(क) कुछ करके दिखाओ (ख) असंभव कुछ भी नहीं
(ग) पहाड़ पर चढ़ जाओ (घ) ज़िंदगी व्यर्थ है।

(5) इस कविता का कौन-सा शीर्षक ठीक रहेगा ?
(क) श्रेष्ठता (ख) संकट-वीर (ग) कर्मवीर (घ) साहसी

<u>अथवा</u>

'फसल' किसान के कच्चे-अधपके
सपनों की लहलहाती आस है।
यह उसके हृदय की गहराइयों में
अंकुरित एक विश्वास है
यह विश्वास है-
ढही हुई दीवार की चिनाई का,
अट्ठारह पार कर चुकी बेटी की सगाई का,
परचूनिए की उधारी चुकाने का,
मन के सपनों को नए परिधान पहनाने का.....
इसी विश्वास की सलामती के लिए
वह मूँदता है आँखें

दिन में न जाने कितनी बार.....
और दुआएँ प्रेषित करता है ऊपर तक
भरोसे और आशंका की रस्साकशी में
न जाने कितनी बार वह जागता है नींद से
और जगा देना चाहता है उस परमात्मा को भी
जिसके बारे में सुनता आया है कि सभी कुछ उसके ही हाथ है...
और इसीलिए जब फसल सौंधियाती है,
असल में, किसान के सपने सौंधियाते हैं।
और फसल घर आ जाने पर सपने पक जाते हैं।

(1) "फसल को किसानों के कच्चे-अधपके सपनों की लहलहाती आस" कहने का कारण है ? कथन पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए-
(अ) फसल देखकर बैंकों से सस्ते ब्याज पर ऋण सरलता से मिल जाना ।
(ब) फसल से किसान के स्वप्नों की संबद्धता और भावात्मक लगाव होना ।
(स) फसल से जुड़े निराई, सिंचाई, कटाई, गहाई, भंडारण आदि के सपने देखना ।
(द) फसल से ही जीवन की ज़रूरी इच्छाओं के साकार होने की संभावना जुड़ी होना ।

Contd.....3.

विकल्प

(क) कथन (अ) व (ब) सही हैं। **(ग) कथन (ब) व (द) सही हैं।**

(ख) कथन (ब) व (स) सही हैं। **(घ) कथन (स) व (द) सही हैं।**

(2) **किसान के हृदय की गहराइयों में अंकुरित हुए विश्वास किस परिधि में आते हैं?**

(क) कुछ पाकर सामाजिक कार्य करने की इच्छाएँ।

(ख) अति आवश्यक कार्य एवं मन के भावात्मक सपने।

(ग) आधुनिक कृषि यंत्र आदि जुटा लेने की अभिलाषाएँ।

(घ) कठिन समय के लिए कुछ बचाकर रखने की योजनाएँ।

(3) **"दुआएँ प्रेषित करता है ऊपर तक" - का आशय है-**

(क) ईश्वर को प्रसन्न करने के लिए व्रत-उपवास रखना ।

(ख) सामूहिक यज्ञ करके फसल की कुशलता की कामना करना ।

(ग) फसल की कुशलता हेतु मन ही मन ईश्वर से प्रार्थना करना ।

(घ) निवेदन को ग्राम्य विकास से जुड़े अधिकारियों तक पहुँचाना ।

(4) **"भरोसे और आशंका की रस्साकशी में" - पंक्ति के आधार पर किसान की मनोदशा से जुड़ा सही विकल्प है-**

(क) ईश्वर पर अटूट विश्वास कि वे फसल को कोई हानि नहीं होने देंगे ।

(ख) ईश्वर पर विश्वास, किंतु फसल की कुशलता को लेकर मन आशंकित रहना ।

(ग) परिश्रम पर पूर्ण विश्वास, किंतु 'भाग्य में क्या लिखा है' इससे सदा आशंकित रहना ।

(घ) स्वयं पर भरोसा करना, किंतु प्राकृतिक आपदाओं की आशंका से सदैव भयभीत बने रहना ।

(5) **कथन** (A) **और कारण** (R) **को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए-**

कथन (A) **- किसान अपनी फसल के साथ भावात्मक रूप से जुड़ा होता है। कारण** (R) **- व्यवसाय और व्यवसायी के बीच ऐसे संबंध स्वाभाविक हैं।**

(क) कथन (A) **गलत है. किंतु कारण** (R) **सही है।**

(ख) कथन (A) **और कारण** (R) **दोनों ही गलत हैं।**

(ग) कथन (A) **सही है और कारण** (R) **कथन** (A) **की सही व्याख्या करता है।**

(घ) कथन (A) **सही है. परंतु कारण** (R) **कथन** (A) **की सही व्याख्या नहीं करता है।**

खंड 'ख'

"व्यावहारिक व्याकरण " पर आधारित प्रश्न

प्र 3. **निर्देशानुसार "रचना के आधार पर वाक्य भेद" पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से <u>किन्हीं चार</u> प्रश्नों के उत्तर शब्दों में दीजिए-** (1×4=4)

(1) **न तो तुम वहाँ जा सके, न ही मैं।' इसका सरल वाक्य होगा-**

(क) तुम और मैं दोनों ही वहाँ नहीं जा सके।

(ख) तुम भी वहाँ नहीं जा सके और मैं भी वहाँ नहीं जा सका।

(ग) यद्यपि तुम और मैं वहाँ जा सकते थे, फिर भी नहीं जा सके।

(घ) चूँकि तुम वहाँ नहीं जा सके, इसलिए मैं भी वहाँ नहीं जा सका।

(2) **'सूर्योदय होते ही प्रकृति का सौंदर्य खिल उठता है।' इसका संयुक्त वाक्य होगा-**

(क) सूर्योदय होने पर प्रकृति का सौंदर्य खिल उठता है।

(ख) सूर्योदय होता है और प्रकृति का सौंदर्य खिल उठता है।

(ग) जब सूर्योदय होता है. तब प्रकृति का सौंदर्य खिल उठता है।

(घ) क्योंकि सूर्योदय होता है, इसलिए प्रकृति का सौंदर्य खिल उठता है।

Contd…..4.

(3) 'आपके आवाज़ उठाने पर सभी आपके साथ खड़े हो जाएँगे।' इसका मिश्र वाक्य होगा-

(क) आपके आवाज़ उठाते ही सभी आपके साथ खड़े हो जाएँगे।

(ख) जब आप आवाज़ उठाएँगे, तब सभी आपके साथ खड़े हो जाएँगे।

(ग) आप आवाज़ उठाएँगे और सभी आपके साथ खड़े हो जाएँगे।

(घ) आप आवाज़ उठाओ, हम सभी आपके साथ खड़े हो जाएँगे।

(4) निम्नलिखित वाक्यों में मिश्र वाक्य पहचानकर नीचे दिए गए सबसे सही विकल्प को चुनिए-

(अ) आप कह सकते थे कि यह गलती आपने नहीं की है।

(ब) यदि आप अपना पक्ष रखते, तो अवश्य ही निर्दोष सिद्ध होते।

(स) जब आपने गलती की ही नहीं है, तो उसका दंड आपको क्यों मिलेगा।

(द) चूँकि दोषी कोई और है इसलिए आप यह दोष अपने ऊपर बिलकुल मत लीजिए।

विकल्प

(क) केवल कथन (अ) सही है। (ख) कथन (ब) व (स) सही हैं।

(ग) कथन (स) व (द) सही हैं। (घ) कथन (अ), (ब), (स) व (द) सही हैं।

(5) कॉलम 1 को कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए-

कॉलम 1	कॉलम 2
(1) बिल्ली आई और दूध पी गई।	(अ) सरल वाक्य
(2) यदि दूध बाहर न रखा होता, तो बिल्ली ऐसा नहीं कर पाती।	(ब) संयुक्त वाक्य
(3) हमें बिल्ली का झूठा दूध फेंकना पड़ा।	(स) मिश्र वाक्य

विकल्प

(क) (1)-(स), (2)- (अ), (3)-(ब) (ख) (1)-(ब), (2)-(स). (3)- (अ)

(ग) (1) (ब), (2)- (अ), (3)-(स) (घ) (1)- (अ), (2)-(ब), (3)-(स)

प्र 4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से <u>किन्हीं चार</u> प्रश्नों के उत्तर शब्दों में दीजिए- (1×4=4)

(1) कॉलम 1 को कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए-

कॉलम 1	कॉलम 2
(1) भारत द्वारा मैच जीत लिया गया।	(अ) कर्तृवाच्य
(2) गेंदबाजों ने मैच में बेहतरीन प्रदर्शन किया।	(ब) कर्मवाच्य
(3) विपक्षी बल्लेबाजों से क्रीज पर रुका नहीं जा सका।	(स) भाववाच्य

विकल्प

(क) (1) (ब), (2)-(अ). (3)-(स) (ख) (1) (अ), (2)-(स), (3)-(ब)

(ग) (1) (ब), (2)-(स), (3)-(अ) (घ) (1)-(अ), (2)-(ब), (3)-(स)

(2) इनमें कर्मवाच्य का उदाहरण है-

(क) रवीना गज़ल नहीं गा पाती है। (ख) रवीना के द्वारा गज़ल गाई जाती है।

(ग) रवीना पैदल नहीं चल पाती है। (घ) रवीना से नहीं चला जाता है।

(3) इनमें कर्तृवाच्य का उदाहरण है-

(क) चलो, अब घर चलें। (ख) चलो, अब घर चला जाए।

(ग) कैरम के बाद अब शतरंज खेली जाए। (घ) हमारे द्वारा शतरंज खेली जा सकती है।

(4) 'दादी जी पढ़ नहीं सकतीं।' इसका भाववाच्य होगा-

(क) दादी जी कुछ भी पढ़ नहीं पाएँगी। (ख) दादी जी से पढ़ा नहीं जा सकेगा।

(ग) दादी जी से पढ़ा नहीं जा सकता। (घ) दादी जी कुछ भी पढ़ नहीं पाती हैं।

Contd…..5.

(5) 'बिना सहारे बूढ़ी माँ से अब चला नहीं जाता है।' इसका कर्तृवाच्य होगा-

(क) बिना सहारे बूढ़ी माँ अब चल नहीं सकेंगी। (ख) बिना सहारे बूढ़ी माँ अब चल नहीं पाती हैं।

(ग) बिना सहारे बूढ़ी माँ अब चल नहीं पाएँगी। (घ) बिना सहारे बूढ़ी माँ अब चल नहीं सकती हैं।

प्र 5. निर्देशानुसार 'पद-परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से <u>किन्हीं चार</u> प्रश्नों के उत्तर शब्दों में दीजिए- (1×4=4)

(1) <u>हम</u> देहरादून घूमने गए। रेखांकित पद का पद परिचय है-

(क) संज्ञा, उत्तम पुरुष, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ता कारक

(ख) सर्वनाम, उत्तम पुरुष, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ता कारक

(ग) सर्वनाम, उत्तम पुरुष, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक

(घ) सर्वनाम, अन्य पुरुष, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ता कारक

(2) वह <u>स्कूल</u> से अभी-अभी आया है। रेखांकित पद का पद परिचय है-

(क) संज्ञा, जातिवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, करण कारक

(ख) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, अपादान कारक

(ग) संज्ञा, जातिवाचक, बहुवचन, पुल्लिंग, अपादान कारक

(घ) संज्ञा, जातिवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, अपादान कारक

(3) योग्य पिता की <u>संतान</u> भी योग्य होती है। रेखांकित पद का पद परिचय है-

(क) संज्ञा, जातिवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन

(ख) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन

(ग) संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन

(घ) संज्ञा, भाववाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'पिता' विशेष्य

(4) चारों ओर छाई <u>हरियाली</u> मनमोहक लग रही थी।' रेखांकित पद का पद परिचय होगा-

(क) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

(ख) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्म कारक

(ग) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

(5) <u>ईमानदारी</u> से काम करो। -

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग बहुवचन (ख) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एक वचन

(ग) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन (घ) विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन

प्र 6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से <u>किन्हीं चार</u> प्रश्नों के उत्तर शब्दों में दीजिए- (1×4=4)

(1) 'सुनत जोग लागत है ऐसो, ज्यों करुई ककरी' में अलंकार है-

(क) उत्प्रेक्षा (ख) श्लेष (ग) यमक (घ) अनुप्रास

(2) '<u>प्रीति-नदी</u> में पाँउ न बोर्‌यौ' - रेखांकित में अलंकार है-

(क) उपमा (ख) रूपक (ग) यमक (घ) अनुप्रास

(3) 'उस काल मारे क्रोध के तनु काँपने उसका लगा। मानो हवा के जोर से, सोता हुआ सागर जगा।' काव्य–पंक्ति में अलंकार है-

(क) उत्प्रेक्षा (ख) रूपक (ग) श्लेष (घ) उपमा

(4) निम्नलिखित काव्य–पंक्तियों में से किस में उपमा अलंकार है-

(क) बादल, गरजो! (ख) घेर, घेर घोर गगन, धाराधर ओ!

(ग) ललित ललित, काले घुँघराले (घ) बाल कल्पना के से पाले

Contd…..6.

(5) **कॉलम** 1 **और कॉलम** 2 **को सुमेलित करके उचित विकल्प चुनकर शब्दों में उत्तर लिखिए-**

कॉलम 1	**कॉलम** 2
अ. हनुमान की पूँछ में, लगन न पाई आग। लंका **का सिगरी जरि गई, गए निसाचर भाग।।**	(i) **मानवीकरण**
ब. जो रहीम गति दीप की, कुल कपूत गति सोय। **बारे उजियारो करै, बढ़े अँधेरो होए ।**	(ii) **अतिशयोक्ति**
स. लो यह लतिका भी भर लाई **मधु मुकुल नवल रस गागरी ।**	(iii) **श्लेष**

विकल्प-

	(अ)	(ब)	(स)
(क)	(iii)	(ii)	(i)
(ख)	(ii)	(iii)	(i)
(ग)	(i)	(ii)	(iii)
(घ)	(i)	(iii)	(ii)

खंड – 'ग'

प्र 7. निम्नलिखित पठित गद्यांश के आधार पर पूछे गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर शब्दों में उत्तर लिखिए– **(1X5=5)**

ठाली बैठे, कल्पना करते रहने की पुरानी आदत है। नवाब साहब की असुविधा और संकोच के कारण का अनुमान करने लगे। संभव है, नवाब साहब ने बिल्कुल अकेले यात्रा कर सकने के अनुमान में किफ़ायत के विचार से सेकंड क्लास का टिकट खरीद लिया हो और अब गवारा न हो कि शहर का कोई सफ़ेदपोश उन्हें मँझले दर्जे में सफ़र करते देखे।... अकेले सफ़र का वक्त काटने के लिए ही खीरे खरीदे होंगे और अब किसी सफ़ेदपोश के सामने खीरा कैसे खाएँ?

1. ठाली बैठने से क्या अभिप्राय है?
   क. खाली बैठना ख. कार्य करना ग. ठोकर खाना घ. बैठकर बात करना
2. नवाब साहब की असुविधा और संकोच के कारण का अनुमान कौन करने लगा?
   क. साथी यात्री ख. लेखक ग. टिकट जाँचने वाला घ. रेल का कर्मचारी
3. लेखक के अनुसार नवाब साहब की असुविधा के निम्न में से कौन से कारण थे?
   क. लेखक की उपस्थिति नहीं जँची। ख. लेखक के सामने खीरे कैसे खाएँ।
   ग. ट्रेन में भीड़ बहुत थी। घ. ट्रेन की गर्मी सहन नहीं हो रही थी।
   विकल्प –
   1. कथन 'क' व 'घ' सही है। 2. कथन 'क' व 'ख' सही है।
   3. कथन 'ग' और 'घ' सही है। 4. केवल कथन 'ख' और 'ग'सही है।
4. नवाब साहब खीरे नहीं खा रहे थे क्योंकि–
   क. खीरे बासी थे। ख. खीरें काटने का साधन नहीं था।
   ग. किसी के सामने खीरा खाना अपनी बेइज्ज़ती मानते थे।
   घ. इस समय खीरा खाने का मन नहीं था।
5. गद्यांश के पाठ व लेखक का नाम चुनिए–
   क. पाठ – लखनवी अंदाज़, लेखक – स्वयं प्रकाश
   ख. पाठ – बाल गोबिन भगत, लेखक – यशपाल
   ग. पाठ – लखनवी अंदाज़, लेखक – यशपाल
   घ. पाठ – नेताजी का चश्मा, लेखक – रामवृक्ष बेनीपुरी

प्र 8. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर शब्दों में उत्तर लिखिए– **(1X2=2)**

1. कहानीकार ने 'नेताजी का चश्मा' कहानी के अंत में बच्चों से ही चश्मा क्यों बनवाया?
   क. बच्चे आसानी से चश्मा बना लेते हैं। ख. बच्चे देश का भविष्य हैं।
   ग. सरकंडे से चश्मा जल्दी बन जाता है। घ. बच्चों ने खेल–खेल में चश्मा बना लिया।

Contd.....7.

2. बालगोबिन भगत किसे अपना साहब मानते थे?
   क. रहीम दास को ख. रसखान को ग. कबीरदास को घ. तुलसीदास को

प्र 9. निम्नलिखित पठित पद्यांश के आधार पर पूछे गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर शब्दों में उत्तर लिखिए– (1X5=5)

कौसिक सुनहू मंद येहू बालकु। कुटिल कालबस निज कुल घालकु।।
भानुबंस राकेस कलंकु। निपट निरंकुसु अबुधु असंकू।।
कालकवलु होइहि छन माही। कहौं पुकारि खोरि मोहि नाही।।
तुम्ह हटकहु जौ चहहु उबारा। कहि प्रतापु बलु रोषु हमारा।।

1. काव्यांश में 'कौसिक' किसे कहा गया है?
   क. राम को ख. परशुराम को ग. विश्वामित्र को घ. लक्ष्मण को
2. 'घालकु' का शब्दार्थ है–
   क. प्यार करना ख. घृणा करना ग. नष्ट करना घ. सम्मान करना
3. 'भानुबंस राकेस कलंकु।' में कौन–सा अलंकार है?
   क. अतिशयोक्ति ख. उत्प्रेक्षा ग. रूपक घ. मानवीकरण
4. 'कालकवलु होइहि छन माही।' कौन कह रहा है?
   क. लक्ष्मण ख. परशुराम ग. विश्वामित्र घ. कौसिक
5. काव्यांश की भाषा कौन–सी है?
   क. ब्रज भाषा ख. अवधी भाषा ग. खिचड़ी भाषा घ. खड़ी बोली हिंदी

प्र 10. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर शब्दों में उत्तर लिखिए– (1X2=2)

1. 'हमारै हरि हारिल की लकरी'– पंक्ति में हारिल कौन है?
   क. पक्षी ख. पेड़ ग. पशु घ. मित्र
2. 'उत्साह' कविता में किस–किस को नवजीवन देने वाला और क्यों कहा गया है?
   क. कवि–सोई मानवता को जगाता है।
   ख. बिजली–आकाश में कड़क कर बारिश का संकेत देती।
   ग. पृथ्वी–अन्न उपजा कर जीवन देती।
   घ. बादल–वर्षा से धरती को हरा–भरा करता और गर्मी हटाता।
   विकल्प–
   1. कथन 'क' व 'ख' सही हैं। 2. कथन 'क' व 'घ' सही हैं।
   3. कथन 'ख' व 'घ' सही हैं। 4. कथन 'ग' व 'घ' सही हैं।

वर्णनात्मक प्रश्न

प्र 11. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में दीजिए– (2X3=6)

1. "बार–बार सोचते, क्या होगा उस कौम का जो अपने देश की खातिर घर–गृहस्थी–जवानी–ज़िंदगी सब कुछ होम देने वालों पर भी हँसती है और अपने लिए बिकने के मौके ढूँढती है।"–इन पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए।
2. बालगोबिन भगत की दिनचर्या लोगों के अचरज का कारण क्यों थी? – स्पष्ट कीजिए।
3. नवाब साहब द्वारा खीरा खाने की तैयारी करने का एक चित्र प्रस्तुत किया गया है। इस पूरी प्रक्रिया को अपने शब्दों में प्रस्तुत कीजिए।
4. बिना विचार,घटना और पात्रों के भी क्या कहानी लिखी जा सकती है? यशपाल के इन विचारों से आप कहाँ तक सहमत हैं?

प्र 12. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में दीजिए– (2X3=6)

1. 'अट नहीं रही है' कविता में कवि ने प्रकृति की व्यापकता का वर्णन किन रूपों में किया है?
2. सूर के पदों के आधार पर गोपियों का योग–साधना के प्रति दृष्टिकोण स्पष्ट कीजिए।
3. 'राम–लक्ष्मण–परशुराम संवाद' के आधार पर बताइए कि लक्ष्मण ने वीर योद्धा और कायर के बारे में क्या विशेषताएँ बताई हैं?
4. सामाजिक क्रांति में साहित्य की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। 'उत्साह' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

Contd…..8.

प्र 13. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठ के आधार पर निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50–60 शब्दों में दीजिए– (4X2=8)

1. 'माता का अँचल' पाठ में भोलानाथ दूसरे बच्चों की बुरी संगति में एक वृद्ध व्यक्ति को चिढ़ाता व मज़ाक उड़ाता है। इस अनुचित व्यवहार के लिए उसे क्या दंड भोगना पड़ता है? इस घटना से बच्चों की किस मनोवृत्ति का पता चलता है? आप इस घटना से क्या शिक्षा ग्रहण करते हैं?
2. 'माता का अँचल' पाठ में भोलानाथ को अपने माता–पिता से बहुत लगाव है।–स्पष्ट कीजिए। बचपन में हर बच्चा एक पल के लिए भी माता–पिता का साथ नहीं छोड़ता है, किंतु माता–पिता के बूढ़े हो जाने पर इनमें से ही कुछ बच्चे उन्हें अपने साथ रख उनकी देखभाल करने के बदले, वृद्ध आश्रम में छोड़ आते हैं, ऐसे लोगों को आप किन शब्दों में समझाएँगे? विचार करके लिखिए।
3. भोलानाथ के खेल और खेलने की सामग्री क्या–क्या होती थी? यह भी बताएँ कि आजकल के बच्चे अपनी जीवन शैली में क्या परिवर्तन करें कि वे भी प्रकृति का आनंद उठा सकें?

खंड 'घ'

प्र 14. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए- (6)

1. **आदर्श विद्यार्थी**

   संकेत-बिंदु • विद्यार्थी का अर्थ • आदर्श विद्यार्थी का स्वरूप • आदर्श विद्यार्थी के गुण लक्षण • उपसंहार

2. **मेक इन इण्डिया**

   संकेत-बिंदु- भूमिका • उक्ति का अर्थ • सोने की चिड़िया भारत • उद्यमी देश विकास की ओर अग्रसर • उपसंहार

3. **संयुक्त परिवार- आज भी आवश्यक**

   संकेत-बिंदु- • भूमिका • युवा पीढ़ी को रिश्तों का ज्ञान • मिल-जुलकर रहने की भावना • बुजुर्गों की उपस्थिति व महत्ता • अकेलेपन से मुक्ति • उपसंहार

प्र 15. **आपके क्षेत्र में बरसात के दिनों में दुर्घटना को दावत देते, खुले पड़े सीवर लाइन के मैनहोलों के संदर्भ में दैनिक जागरण, अ.ब.स. नगर के संपादक के नाम एक शिकायत प्रकाशित करने का अनुरोध करते हुए लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए।** (5)

अथवा

अपने बड़े भाई को पत्र लिखिए जिसमें उनके द्वारा दी गई सीख पर आचरण करने का आश्वासन हो।

प्र 16. **आप मानव / मानवी हैं। आपने बी.ए. की परीक्षा पास की है। साथ ही हिंदी और अंग्रेजी भाषा में टाइप करने का डिप्लोमा भी किया है। अपनी शैक्षणिक योग्यता और टंकण गति (टाइपिंग स्पीड) का उल्लेख करते हुए, अ.ब.स विद्यालय में लिपिक (टाइपिस्ट) के रिक्त पद के लिए लगभग 80 शब्दों में स्ववृत्त तैयार कीजिए।** (5)

अथवा

आपका नाम सुमिता/सुरेश है। आप राजेन्द्र नगर के निवासी हैं। पिछले कुछ दिनों से आपके क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति अव्यवस्थित है। अपने क्षेत्र में अनियमित विद्युत आपूर्ति की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए विद्युत आपूर्ति निगम के महानिदेशक के नाम लगभग 80 शब्दों में एक शिकायती ई-मेल लिखिए।

प्र 17. **आप अपना पुराना स्मार्टफोन बेचना चाहते हैं, उससे संबंधित एक आकर्षक विज्ञापन लगभग 40 शब्दों में लिखिए।** (4)

अथवा

आप वीणा/विकास हैं। आपकी छोटी बहन ने विद्यालय की वार्षिक परीक्षा में पूरे विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उसे बधाई देते हुए 40 शब्दों में एक संदेश लिखिए।

*****